मानव बस्तियाँ Important Questions || Class 12 Geography Book 2 Chapter 4 in Hindi ||

एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1. "बस्तियाँ विभिन्न आकार प्रकार की होती हैं"। बस्तियाँ के प्रकारों को निर्धारित करने वाले कारक कौन से हैं ?

उत्तर : निर्मित क्षेत्र के विस्तार व अंतर्वास दूरी।

प्रश्न 2. नगरीय संकुल की परिभाषा दीजिए ।

उत्तर : एक नगरीय क्षेत्र के चारों ओर नगरों की एक श्रृखंला विकसित हो जाती है या कभी-कभी दो या दो से अधिक नगर एक साथ जुडकर एक बड़ा नगरीय परिदृष्य बनाते हैं, ऐसे क्षेत्र को नगरीय संकुल कहते है ।

प्रश्न 3. "कई बार बस्ती भौतिक रुप से एक दूसरे से पृथक इकाईयों में बँट जाती है किन्तु उन सबका नाम एक ही रहता है। ऐसी बस्ती का नाम बताइए व उदाहरण भी दीजिए ।

उत्तर : पल्ली बस्ती-पान्ना, पाड़ा, पाली, नंगला व ढाँणी ।

प्रश्न 4. मानव भूगोल में 'मानव बस्ती' के अध्ययन का क्या महत्त्व है ?

उत्तर : मानव भूगोल में मानव बस्ती का अध्ययन वहाँ की जलवायु व वातावरण का मानव से सम्बन्ध दर्शाता है । बस्तियों के प्रतिरूप का संबंध मानव के वातावरण, आस-पास की परिस्थिति व जलवायु से ही प्रभावित होता है ।,

प्रश्न 5. भारत के चार नगरीय संकुलो के नाम बताइये ।

उत्तर : मुंबई, दिल्ली, कोलकत्ता, चेन्नई ।

प्रश्न 6. गैरिसन नगर किसे कहते है इसके दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर : जिन नगरों में सेना की छावनियाँ होती उन्हें गैरिसन नगर कहते है अंबाला, जालंधर, बबीना, उधमपुर इस प्रकार के नगर है।

प्रश्न 7. ग्रामीण बस्तियों में मुख्य रूप से किस तरह के आर्थिक क्रियाकलाप होते

उत्तर : ग्रामीण बस्तियों में मुख्य रूप से प्राथमिक क्रिया कलाप होते हैं।

प्रश्न 8. ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं क्षेत्रों को मिलाप करें :

1) गुच्छित बस्तियाँ (क) मेघालय, उत्तरांचल

2) अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ (ख) छत्तीसगढ़ हिमालय की निचली घाटी मध्य व निम्न गंगा का मैदान

3) पल्ली बस्तियाँ (ग) गंगा की उपजाऊ जलोढ़ मैदान, राजस्थान

4) परिक्षिप्त बस्तियाँ (घ) गुजरात के मैदान, पश्चिम बंगाल

उत्तर : 1) ग 2) घ 3) ख 4) क

प्रश्न 9. विकसित होने के समय के आधार पर निम्नलिखित नगरों को वर्गीकृत करें ?

क) पाटलिपुत्र (पटना)

ख) हैदराबाद

ग) पांडिचेरी

उत्तर :

क) पटना – प्रचीन

ख) हैदराबाद – मध्यकालीन नगर

ग) पांडिचेरी – आधुनिक नगर

प्रश्न10. महानगर एवं मेगानगर में क्या अंतर है ?

उत्तर : दस लाख से पचास लाख की जनसंख्या वाले नगरों को महानगर तथा _पचास लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगरों को मेगानगर कहते है।

प्रश्न 11.भारत में प्रथम श्रेणी के नगरों की संख्या कितनी हैं ?

उत्तर : 423

प्रश्न 12.भारत के दो प्रमुख खनन नगरों के नाम बताओ?

उत्तर : रानीगंज, झरिया ।

प्रश्न 13.भारत में नगरीकरण के स्तर को किस प्रकार मापा जाता है ?

उत्तर : भारत में नगरीकरण के स्तर का माप कुल जनंसख्या में नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में किया जाता है।

प्रश्न 14.भारत का सबसे बड़े नगरीय संकुल कौन सा है ?

उत्तर : बृहत्त मुम्बई ।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 15.भारत के उस महानगर का नाम बताइए जिसमें मलिन बस्तियों में रहने वाली जनसंख्या का अनुपात सबसे अधिक है ?

उत्तर : बृहत्त मुम्बई।

प्रश्न 16.भारत के उपजाऊ जलोढ़ मैदानों तथा राजस्थान में किस प्रकार की बस्तियाँ पाई जाती हैं ?

उत्तर : उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में – गुच्छित बस्तियाँ राजस्थान में – अर्धगुच्छित बस्तियाँ

प्रश्न 17.भौतिक रूप से एक-दूसरे से पृथक अनेक इकाइयों में बँटी बस्ती जिसका नाम, नाम ही होता है | क्या कहते हैं ?

उत्तर : पुरवा बस्तियाँ ।

प्रश्न 18.सड़क, रेल लाइन, नदी, नहर आदि के किनारों पर ग्रामीण बस्तियों का कौन-सा प्रतिरूप विकसित होता है ?

उत्तर : रैखिक प्रतिरूप ।

प्रश्न 19.भारत में नगरों कि किस वर्ग में नगरीय जनसंख्या का उच्चता प्रतिशत है ?

उत्तर : प्रथम वर्ग

प्रश्न 20. मानव बस्ती का अर्थ बताइये ।

उत्तर : किसी भी प्रकार और आकार के घरों का संकुल जिनमें मनुष्य रहते है, मानव बस्ती कहते है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 21.भारत की ग्रामीण बस्ती एवं नगरीय बस्ती में आधारभूत अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर : भारत की ग्रामीण एवं नगरीय बस्ती में तीन आधारभूत अंतर निम्नलिखित है:

ग्रामीण बस्ती

- यहाँ के लोग अपने जीवन यापन के लिए अधिकतर प्राथमिक क्रियाकलापों पर निर्भर करते है जैसे – कृषि, पशुपालन आदि ।
- ग्रामीण बस्तियों में उत्पादित सब्जी, फल-फूल, अनाज आदि जैसे उत्पाद, नगरीय बस्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं।
- ग्रामीण लोग एक स्थान छोड़कर दूसरे स्थान जाकर बसने के बारे में कम सोचते हैं अतः उनमें सामाजिक संबंध प्रगाढ़ होते है। ग्रामीण बस्तियों के निवासियों में क्षैतिज गतिशीलता कम होता है ।

नगरीय बस्ती

- नगरीय बस्तियों में द्वितीयक एवं तृतीयक तथा विभिन्न प्रकार की सेवाओं की प्रधानता होती है ।

- नगरीय बस्तियों के विनिर्माण उद्योग के उत्पाद ग्रामीण बस्तियों में जाते हैं। परिवहन एवं संचार माध्यम के जरिए यह कार्य संपन्न होता है।
- शहरों में क्षैतिज गतिशीलता अधिक पाई जाती है अर्थात् लोग एक जगह जाकर बस जाते हैं।
- उनमें सामाजिक संबंधों में औपचारिकता अधिक होती है ।

प्रश्न 22.निम्नलिखित तालिका को ध्यान से पढ़िए एवं प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

क) भारत की अधिकतम जनसँख्या (नगरीय) किस वर्ग के नगरों में रहती है ?

उत्तरः प्रथम वर्ग के नगरों में

ख) किस वर्ग के नगरों की संख्या सर्वाधिक हैं ?

उत्तरः चतुर्थ वर्ग के नगरों में

ग) 1991 से 2001 के बीच किस प्रकार के नगरों की प्रतिशत वृद्धि सबसे अधिक दर्ज की गई है ?

उत्तरः तृतीय वर्ग के नगरों में

वर्ग	जनसंख्या आकार	संख्या	जनसंख्या दस लाख में	नगरीय जनसंख्या का % 1991–01	प्रतिशत वृद्धि
1.	1,00,000 और अधिक	423	172.04	6148	23.12
2.	50,000 से 99,999	498	34.43	12.3	43.45
3.	20,000 से 49,999	1386	41.97	15.0	46.19
4.	10,000 से 19,999	1560	22.6	8.08	32.94
5.	5000 से 9999	1057	7.98	2.85	41.49
6.	5000 से कम	227	0.8	0.29	21.21

प्रश्न 23. कोई नगर नगरीय संकुल कब बन जाता है ?

उत्तर: कोई नगर नगरीय संकुल बन जाता है जब इसमें से किसी एक का समावेश होता हैं

- नगर एवं उससे संलग्न विस्तार ।
- विस्तार सहित या बिना विस्तार के जब दो या अधिक नगर मिल जाते हैं।
- एक नगर या उससे सटे हुए या एक से अधिक नगर और उन नगरों के क्रमिक विस्तार जैसे रेलवे कॉलोनी, विश्वविद्यालय परिसर, पत्तन क्षेत्र या सैनिक छावनी को मिलाकर नगरीय संकुल बन जाता है ।

प्रश्न 24. पल्ली बस्तिया क्या है ? भारत के किन्हीं दो क्षेत्रों के नाम बताए जहां इस प्रकार की बस्तियां पाई जाती है ?

उत्तर : वे बस्तियाँ जो किसी बडे गाँव से अलग छोटे-छोटे समूहों में बस जाती है लेकिन वे उसी बड़े गाँव का ही हिस्सा होती है इन्हें अलग-अलग जगहों में अलग-अलग नामों में पुकारा जाता है जैसे पल्ली, नंगला, ढाणी, पूर्वा आदि। ये बस्तियाँ छत्तीसगढ़ एवं हिमालय की निचली घाटियों में पाई जाती हैं।

प्रश्न 25.भारत में ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारों के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन भौतिक कारकों को स्पष्ट कीजिए

या

"बस्तियों के प्रकार या निर्मित क्षेत्र के विस्तार द्वारा निर्धारित होते हैं। फिर भी अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ अन्य प्रकार की ग्रामीण बस्तियाँ पाई जाती हैं।" इन बस्तियों के प्रकारों के लिए उत्तरदायी भौतिक कारकों का वर्णन कीजिए ।

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर : भारत में ग्रामीण बस्तियों के विभिन्न प्रकारों के लिए उत्तरदायी भौतिक कारक निम्नलिखित हैं :

- उच्चावच की प्रकृति–मानव अपने निवास हेतु ऊँचे क्षेत्रों को बाढ़ व जंगली जानवरों से सुरक्षित रहने के लिए चुना।
- जल की उपलब्धता-कृषि व अपने ग्रामीण बस्तियां जल स्रोतों के निकट बसती हैं।
- उर्वरक मृदा-मनुष्य बसने के लिए उस जगह का चुनाव करता है, जहाँ की मृदा कृषि के लिए उपयुक्त एवं उपजाऊ हो ।
- जलवायु मानव अपने निवास हेतु अनुकूल जलवायु में रहना पसंद करते हैं।

प्रश्न 26."भारत में आधुनिक नगरों में से कई एक नगर अंग्रेजी शासन में विकसित हुए थे। इस कथन को प्रमाणित कीजिए ।

उत्तर : यह सच है कि भारत में आधुनिक नगरों में से कई नगर अंग्रेजी शासन में विकसित हुए थे

- व्यापार के उद्देश्य से तटीय क्षेत्रों में नगरों का विकास किया गया ।
- केन्टोंमेन्ट कैम्प नगरों का विकास हुआ जैसे जी.टी.बी. नगर।
- विश्राम स्थलों को विकसित किया गया तथा पर्वतीय नगरो का विकास किया गया ।
- मुम्बई, चेन्नई व कोलकत्ता जैसे प्रमुख नोड़ों पर अंग्रेजों ने अपनी पकड़ मजबूत की तथा उन्हें विकसित किया ।

प्रश्न 27."ग्रामीण बस्तियों के विपरीत नगरीय बस्तियाँ सामान्यतः संहत और विशाल आकार की होती हैं।" कथन का स्पष्टीकरण उचित तर्क द्वारा कीजिए।

उत्तर : ग्रामीण बस्तियों के विपरीत नगरीय बस्तियाँ सामान्यतः सहंत और विशाल आकार की होती है क्योंकि :

- नगरीय बस्तियाँ अनेक प्रकार के अकृषि, आर्थिक व प्रशासकीय प्रकार्यों में संलग्न होती है।
- नगर अपने चारों ओर के क्षेत्रों से प्रकार्यात्मक रूप से जुड़ा हुआ होता है।
- वस्तुओं व सेवाओं के विनिमय के कारण नगर मण्डी शहरों व नगरों की श्रृंखला से जुड़े रहते हैं इसलिए नगर संहत व विशाल आकार के होते हैं।

प्रश्न 28. नीचे दी गई सारणी का अध्ययन कीजिये तथा निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए !

वर्ग	जनसंख्या का आकार	संख्या	जनसंख्या (दस लाख में)	कुल नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	प्रतिशत वृद्धि 1991–2001
सभी वर्गों का योग		5161	285.35	100.00	31.13
1.	1,00,000 और अधिक	423	172.04	61.48	23.12
2.	50,000–99,999	498	34.43	12.30	43.45
3.	20,000–49,999	1386	41.97	15.00	46.19
4.	10,000–19,999	1560	22.60	8.08	32.94
5.	5,000–9,999	1057	7.98	2.85	41.49
6.	5,000 से कम	227	0.80	0.29	21.21

1) बीस हजार से कम जनसंख्या वाले नगरों की कुल संख्या ज्ञात करे।

उ. 2844 (1560+1057+227)

2) किस जनसंख्या आकार में नगरों की संख्या सबसे कम है ? इस जनसंख्या आकार के नगरों की संख्या बताइये ।

उ. 6 वर्ग (5000) से कम जनसंख्या वाले 227 नगर है।

3) इन नगरों की जनसंख्या तथा प्रतिशत वृद्धि बताइये।

उ. 8 लाख जनसंख्या, वृद्धि 21.21%

4) नगरों की किस जनसंख्या आकार में सर्वाधिक प्रतिशत जनसंख्या रहती है ? इस जनसंख्या आकार के नगरों की कुल जनसंख्या कितनी है ?

उ.100,000 और अधिक जनसंख्या आकार वाले नगरों में सर्वाधिक प्रतिशत जनसंख्या 172.04 लाख है।

5) वर्ग 1 के नगरों में कुल नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत तथा प्रतिशत वृद्धि बताइये ।

उ.61.48%

वृद्धि प्रतिशत – 23.12%

6) वर्ग 1 के नगरों में रहने वाली कुल नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत ऊँचा होने के दो कारण बताइये।

उ.

- रोजगार के अधिक अवसर
- चिकित्सा शिक्षा की उत्तम सुविधायें
- गाँवों से नगरों में प्रवास

प्रश्न 29. नीचे दिए गए आरेख का अध्ययन कीजिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

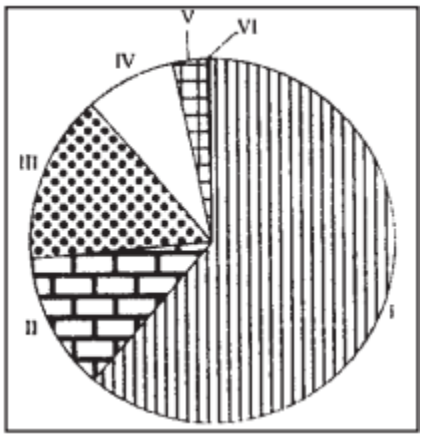

1) भारत की जनगणना नगरों को कितने वर्गों में वर्गीकृत करती है।

उ. छ: (6) ।

2) किस वर्ग के नगरों की जनसंख्या सबसे अधिक है ?

उ. प्रथम वर्ग (I)

3) किस वर्ग के नगरों की नगरीय जनसंख्या सबसे कम है ?

उ. VI वर्ग

4) कुल नगरीय जनसंख्या में किस वर्ग के नगरों का सर्वधिक प्रतिशत भाग है !

उ. I वर्ग

5) कुल नगरीय जनसंख्या में किस वर्ग के नगरों का दूसरा स्थान है ?

उ. III वर्ग ।

6) दसरे (II) वर्ग के नगरों की जनसंख्या का आकार क्या है ?

https://www.evidyarthi.in/

उ. 50,000 से 99,999 |

प्रश्न 30.भारत में परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों की विशेषताएँ बताइएँ :

उत्तर : भारत में परिक्षिप्त या एकाकी बस्तियों की प्रमुख विशेषताएँ हैं –

- ये बस्ती प्रारूप सुदूर जंगलो या छोटो पहाड़ियों की ढालों पर खेतों या चारागाहों के आस पास दिखाई पड़ते हैं।
- इनमें मकान एक दूसरे से दूर बने होते हैं और लोग अलग-अलग या एकाकी रहते हैं।
- मेघालय, उत्तरांचल व हिमाचल प्रदेश के अनेक भागों में यही बस्ती पाई जोती हैं ।

पाँच अंक वाले

प्रश्न 31.भारत की ग्रामीण बस्तियों को कितने प्रकारों में रखा जा सकता है? सभी के नाम लिखें एवं किन्हीं तीन का वर्णन करें ?

अथवा

गुच्छित बस्तियाँ तथा पल्ली बस्तियों में अंतर स्पष्ट करे । उपयुक्त उदाहरण से इसको विवरण दे ।

उत्तर :वृहत तौर पर भारत की ग्रामीण बस्तियों को चार प्रकारों में रखा सकते हैं। गुच्छित बस्तियाँ, अर्धगुच्छित बस्तियाँ, पल्ली व एकाकी । इनमें से प्रथम तीन का वर्णन नीचे दिया गया है :

1) गुच्छित बस्तियाँ :- इस बस्तियों में घरों का समूह बहुत पास-पास होता है। इन गाँवों में आवास स्थान एवं खेत खलिहान और चारागाह क्षेत्र स्पष्ट रूप से अलग होते हैं। ये बस्तियाँ आयताकार, अरीय रैखिक आदि प्रतिरूपों में मिलती है और उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में पाई जाती है सुरक्षा कारणों से बुंदेलखंड, नागालैंड में तथा जल के अभाव के कारण राजस्थान में ये बस्तियां मिलती हैं।

2) अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ :- किसी बड़े गाँव में समाज का कोई वर्ग किन्हीं कारणों से मुख्य गाँव से दूर रहने लगता है । इस तरह अर्द्धगुच्छित बस्तियों का जन्म होता है । इस तरह की बस्तियाँ गुजरात एवं राजस्थान के कुछ भागों में पाई जाती है।

3) पल्ली बस्तियाँ :- इस प्रकार की बस्ती अनेक भागों बंटी होती हैं किन्तु बस्ती का नाम एक ही होती है इस बस्ती की इकाइयों को स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाणी इत्यादि नाम से जानते हैं व ऐसे गाँव मध्य एवं निम्न गँगा के मैदान, छत्तीसगढ़ हिमालय की निचली घटियों में पाए जाते हैं।

प्रश्न 32. प्रकार्य के आधार पर भारतीय नगरों को छह प्रमुख प्रकारों में वर्गीकृत करें । उदाहरण भी दीजिए ?

उत्तरः भारतीय नगरों को उनमें होने वाले कार्यों की प्रमुखता के आधार पर कई भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है उनमें से प्रमुख निम्नलिखित हैं :

1) प्रशासन शहर :- वे शहर या नगर जहां उच्चतर क्रम के प्रशासनिक मुख्यालय होते हैं जैसे दिल्ली, चंडीगढ़ आदि ।

2) औद्योगिक नगर :- जिन नगरों में उद्योगों की प्रधानता हो जैसे – मुंबई, सेलम, जमशेदपुर ।

3) परिवहन नगर :- कुछ नगर पत्तन के रूप में आयात-निर्यात में संलग्न रहते हैं जैसे कांडला, कोच्चि, विशाखापट्नम् ।

4) खनन नगर :- वे नगर जो मुख्यतः खनन के लिए जाने जाते हैं। जैसे रानीगंज, झारिया, डिगबोई आदि ।

5) गैरिसन (छावनी) नगर :- जिन नगरों में सेन की छावनियां होती हैं। जैसे अंबाला, मेरठ।

6) धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगर :- ऐसे नगर जो धार्मिक व सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विख्यात है। जैसे वाराणसी, मथुरा, अजमेर आदि।

प्रश्न 33.भारतीय नगरों को उनके विकास के विशिष्ट गुणों के आधार पर कितने वर्गों में रखा जाता है?

अथवा

"भारत में नगरों का अभ्युदय प्रागैतिहासिक काल से हुआ है।" उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः भारत में नगरों का विकास इतिहास के विभिन्न चरणों से प्रभावित रहा है। इस आधार पर नगरों को विभिन्न वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

- प्राचीन नगर-इस काल में अधिकांश नगरों का विकास धार्मिक अथवा सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में हुआ है। उदाहरण के लिए प्रयाग ___(इलाहाबाद), पाटलिपुत्र (पटना), मदुरई।
- मध्यकालीन नगर-इस काल में अधिकांशतः नगरों का विकास रजवाड़ों व राज्यों के मुख्यालयों के रूप में हुआ। हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, आगरा इसके उदाहरण हैं |
- आधुनिक नगर-अंग्रेजों व अन्य यूरोपीय देशों ने अपनी प्रभाविता को प्रत्यक्ष रूप से अथवा रजवाड़ों पर नियंत्रण के माध्यम से प्रशासनिक केंद्रों, ग्रीष्मकालीन विश्राम स्थलों, पत्तनों प्रशासनिक व सैन्य क्षेत्रों को नगरों के रूप में विकसित किया।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के नगर-इस समय अनेक नगर प्रशासनिक केंद्रो जैसे-चंडीगढ़, भुवनेश्वर आदि व औद्योगिक केंद्र जैसे दुर्गापुर, भिलाई, बरौनी आदि के रूप में विकसित हुए।

https://www.evidyarthi.in/